हिन्दी संस्थान ने स्थापना दिवस 'सुमन' को समर्पित किया

डॉ. सुमन ने कविता को दिया नया तेवर

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

हिन्दी संस्थान में साहित्यकारों ने डॉ शिवमंगल सिंह सुमन को याद किया । ● हिन्दुस्तान

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान ने 35वें स्थापना दिवस पर शुक्रवार को डॉ. शिवमंगल सिंह 'सुमन' की पावन स्मृति को समर्पित संगोष्ठी एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में डॉ. सरला शुक्ला ने कहा कि डॉ. सुमन उत्तेजना के कवि हैं। उनकी उत्तेजना प्राकृतिक चित्रण के माध्यम से श्रृंगारपरक कविता के रूप में प्रकट होती है। प्राचीनता को नवीनता का व निराशा को प्रफुल्लता का स्वर देना उनकी कविता की विशेषता है।

प्रमुख सचिव भाषा अशोक घोष ने कहा कि डॉ सुमन ने स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को प्रेरित किया। उनके गीत आज भी प्रासंगिक हैं। संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. प्रेमशंकर ने कहा- सुमन जी गीतकार थे। उन्होंने देशकाल वातावरण के अनुसार रचनाएं कीं। एक ओर वह गरीबों-किसानों की बात करते हैं तो दूसरी ओर बच्चों के लिए भी लिखते हैं। इससे पहले संस्थान निदेशक डॉ. एसएस सिंह ने लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ सुमन को छायावाद के बाद प्रारंभ हुए कविता के नए तेवर के कवि के रूप में जाना जाता है। वह हिन्दी संस्थान के उपाध्यक्ष भी रहे और भारत-भारती सम्मान से भी नवाजे गए।

काव्य गोष्ठी में रागिनी चतुर्वेदी ने पढ़ा-धूप जाने लगी..शाम आने लगी तो मधुकर अष्ठाना ने तुम्हें याद करते ही मन में दीपक जलते हैं...सुनाया।

रतन सिंह रतन ने पढ़ा-करे जो फूल की रक्षा उसे हम खार कहते हैं सुनाकर समां बांधा। फैजाबाद से जमुना प्रसाद उपाध्याय ने सुनाया-सर छुपाने का ठिकाना होता है, पीपल पुराना होता है। जयकृष्ण राय, सतीश आर्य, डॉ. ओमप्रकाश सिंह, यादकरण याद, धर्मजीत सरल, सुरेन्द्र सुकुमार व श्रीनारायण अग्निहोत्री सनकी ने भी अपनी रचनाएं पढ़ीं। संचालन शिव ओम अम्बर ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी मौजूद थे।

स्मृति

- हिन्दी संस्थान ने डॉ शिवमंगल सिंह सुमन की स्मृति में की काव्य गोष्ठी
- सुमन एक ओर गरीबों-किसानों की बात करते,दूसरी ओर बच्चों के लिए लिखते : प्रेमशंकर

दिशा देवता के अनुरूप कार्य ही वास्तु संगत

लखनऊ | हिन्दुस्तान संवाद

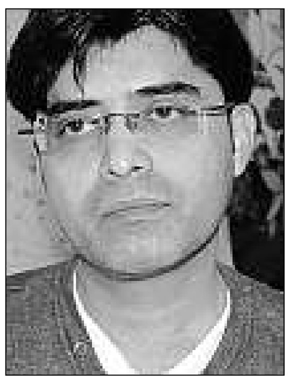
आचार्य विकास कौशिक । ● हिन्दुस्तान

आम तौर पर लोगों को चार दिशाएं ही मालूम होती हैं, लेकिन वास्तु में कुल आठ दिशाओं के देवता के अनुरूप कार्य किया जाता है। दीवारों को लाल, पीला या नीले रंग में करना इंटीरियर डेकोरेशन है। इसे वास्तु की संज्ञा नहीं दी जा सकती। वास्तु का सम्बंध भूमि से है। केवल दीवारों का रंग बदलकर उपाय करना वास्तु के तहत नहीं आता है।

ये कहना है आचार्य विकास कौशिक का। दिल्ली के ज्योतिष व वास्तु विशेषज्ञ विकास कौशिक शुक्रवार को लखनऊ में थे। उन्होंने 'हिन्दुस्तान' को बताया कि वास्तु से सुख, शांति आती है। इससे घर में माहौल बेहतर रहता है और गृह कलेश नहीं रहती। आचार्य कौशिक के अनुसार ज्योतिष के अपने गुण हैं। इसमें बहुत सी बीमारियों की वजह जानने व उपाय करने की भी क्षमता है। ग्रहों की स्थिति का असर शरीर व जीवन पर पड़ता है। जैसे नीच का चन्द्रमा यदि मंगल के साथ अष्टम में बैठा हो तो कैंसर जैसी बीमारियों की आशंका होती है। रत्न से अल्ट्रावायलेट किरणें ग्रहों को सक्रिय करती हैं, इसका नकारात्मक व सकारात्मक असर हो सकता है। जिसका षष्टम, अष्टम या द्वादश ग्रह से सम्बंध बनता हो ऐसा रत्न नहीं पहनना चाहिए। जिस तरह गलत दवा लेने से रिएक्शन का खतरा रहता है उसी तरह से गलत तरीके से पूजा, जप या रत्न पहनने से अहित भी हो सकता है। ज्योतिष से भविष्य की कुछ बातें बताई जा सकती हैं, लेकिन इसके पूर्ण होने में परिस्थितियां भी खासा महत्व रखती हैं।

वास्तुशास्त्र

- वास्तु का सम्बंध भूमि से है, केवल दीवारों का रंग बदलकर उपाय करना वास्तु के तहत नहीं आता
- वास्तु से सुख, शांति आती है। इससे घर में माहौल बेहतर रहता है

जरूरी टिप्स

- सूर्योदय के साथ जगें
- सूर्यास्त से पहले घर में देशी घी का दीप जलाएं
- सात्विक जीवन जिएं
- धन संचय के बजाय दान भी करें
- पूजा सही तरीके से करें

नव वर्ष आगमन पर भजन

लखनऊ। नया साल लोगों के जीवन में सुख समृद्धि लेकर आए, इसी उद्देश्य से मंदिरों में भी विशेष आयोजन किए गए हैं। अलीगंज हनुमान सेवा समिति की ओर अलीगंज के रामकथा पार्क में शनिवार को श्रीमद् भागवत की शुरुआत होगी। इसमें इलाहाबाद के बेनी माधव मंदिर के स्वामी ओंकार देवगिरि कथा कथा की अमृत वर्षा करेंगे। रविवार को भजन गायक रवीन्द्र जैन भजनों की अमृत वर्षा भी करेंगे। नए हनुमान मंदिर में भी शनिवार की रात कीर्तन-भजन शुरू होगा। हनुमान सेतु मंदिर में भी नव वर्ष की रात विशेष आरती, भजन होगा। राजेन्द्र नगर स्थित श्री महादेव मंदिर में महालक्ष्मी जप का आयोजन किया गया।

साहित्यिक गतिविधियों के लिए उम्मीदों भरा होगा 2012

वर्ष 2011 बीतने वाला है। 2012 आने वाला है। बीता साल साहित्य, संस्कृति, कला, संगीत के लिए सक्रियता का साल रहा। शहर के नाम कुछ उपलब्धियां रहीं तो कुछ नुकसान भी उठाने पड़े। प्रगतिशील लेखक संघ के 75वें जलसे में देश भर के लेखक जुटे तो कथाक्रम में कथाकारों का जमावड़ा रहा। प्रेमचन्द की कालजयी कृति 'गोदान' के 100 साल पूरे होने पर बड़ा आयोजन हुआ। कई बड़े सम्मान शहर को आए तो दो विभूतियां हमें छोड़कर चली गई। सरकारी साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्थानों के पुरस्कारों पर विवाद होते रहे। नए साल में साहित्य-कला प्रेमियों को उम्मीद है कि शहर में अच्छे साहित्यिक आयोजन होंगे। विवादों का पटाक्षेप होगा। 'हिन्दुस्तान' के वरिष्ठ संवाददाता अटल तिवारी **ने इन्हीं बिन्दुओं पर लोगों से बात की तो सभी ने उम्मीद जताई कि नए साल में सब अच्छा होगा।**

मानवीय उत्थान के आधार पर हो रंगकर्म

केवल प्रस्तुतियों की संख्या बढ़ा देना रंगकर्म नहीं है। हमें इस बात पर गंभीर चिंतन करना चाहिए। रंगमंच की दृश्यात्मक भाषा और उसके कौशल व सौन्दर्य बोध से नाटककार अक्सर दूर ही दिखाई पड़ते हैं। नए साल में उम्मीद है-रंगकर्मी नाटक की दृश्यात्मकता का जो शिल्प है। उसका जो व्याकरण है उसकी ओर ज्यादा ध्यान देंगे।

ललित सिंह पोखरिया, वरिष्ठ रंगकर्मी

शहर की प्रतिभाएं बड़े फलक पर चमकें

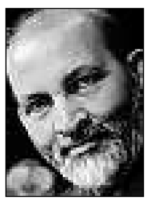

2011 में आने वाली फिल्मों में लखनऊ की कई प्रतिभाएं सामने आईं। फिल्म पीपली लाइव में शहर के कलाकारों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। गायकी में हुनर दिखाने के साथ अभिनय में भी टिया बाजपेयी की प्रतिभा दो फिल्मों में दिखी। उम्मीद है कि नए साल में शहर व प्रदेश की प्रतिभाओं को अच्छे अवसर मिलेंगे।

जुगल किशोर, कार्यकारी निदेशक, भारतेन्दु नाट्य अकादमी

महत्वपूर्ण कृतियों के प्रकाशन का वर्ष होगा

2011 साहित्यिक सक्रियता का वर्ष रहा, जहां बड़ी उपलब्धि ज्ञानपीठ सम्मान का आना है वहीं रचनात्मक सक्रियता के तहत ब्रजेश व दयानंद पाण्डेय के उपन्यास आए। अनिल यादव का कहानी संग्रह व वंदना मिश्रा का कविता संग्रह आया। उम्मीद है 2012 साहित्यिक गतिविधियों के लिए ही नहीं बल्कि महत्वपूर्ण कृतियों के प्रकाशन का भी साल होगा।

वीरेन्द्र यादव, वरिष्ठ आलोचक

सरकारी संस्थान अच्छी भूमिका निभाएं

2011 में तीन बड़े आयोजन हुए। प्रगतिशील लेखक संघ का जलसा, कथाक्रम व अखिल भारतीय हिन्दी परिषद का सम्मेलन। इसमें देश भर के कथाकारों की भागीदारी रही। ऐसे आयोजनों से साहित्यिक माहौल बनता है। नए साल में उम्मीद है कि इस तरह के आयोजनों के लिए नई संस्थाएं सामने आएं।

शैलेन्द्र सागर, वरिष्ठ साहित्यकार

रंगकर्म के प्रति बढ़े युवाओं का रुझान

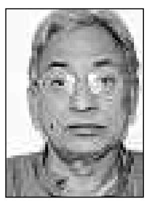

भारतेन्दु नाट्य अकादमी की स्थापना को 35-40 हो गए, पर इसकी डिग्री की मान्यता नहीं है। स्थानीय रंगकर्मियों का उससे संबंध नहीं है। स्थानीय लोगों को अगर जोड़ा जाए तो पैसे की बचत होगी। छात्रों को अधिक समय मिल सकेगा। नए साल में जिम्मेदार लोग इस ओर ध्यान देंगे। युवाओं का रुझान रंगकर्म के प्रति बढ़ेगा।

उर्मिल कुमार थपलियाल, वरिष्ठ रंगकर्मी

पूर्ण विश्वविद्यालय बनने को बढ़ें कदम

2011 में भातखण्डे जयंती समारोह मनाया गया। बच्चों को लेकर कई बड़ी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। नए साल में विश्वविद्यालय का पहला यादगार समारोह मनाने की तैयारी है। मेरा प्रयास है कि नए साल में शिक्षा का स्तर और अच्छा हो। संस्थान को पूर्ण विश्वविद्यालय बनने की दिशा में हम अग्रसर हों।

श्रुति सडोलीकर काटकर, कुलपति, भातखण्डे संगीत सम विवि

पुरस्कारों की परम्परा की वापसी हो

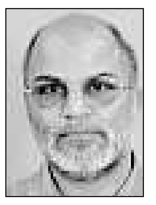

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के साहित्यिक पुरस्कारों को लेकर शासन-प्रशासन ने जिस तरह असंवैधानिक रवैया अख्तियार किया उससे उबर कर एक बार फिर सही परम्पराओं की वापसी की उम्मीद है। पहले संस्थानों के मुखिया इसका प्रतिरोध करते थे, पर अब वह जमे रहने को प्राथमिकता देते हैं। उम्मीद है नए साल में इस दिशा में सोचेंगे

अखिलेश, वरिष्ठ साहित्यकार

राज्य से बाहर भी करेंगे आयोजन

हिन्दी संस्थान ने 2011 में कई आयोजन किए। साहित्य की कई ऐसी शख्सियतों की स्मृति में कार्यक्रम किए गए, जिन्हें एक तरह से भुला दिया गया था। इसी कड़ी में संस्थान के स्थापना दिवस पर 30 दिसम्बर को डॉ. शिवमंगल सिंह 'सुमन' की याद में आयोजन किया गया । नए साल में आयोजन पूर्वोत्तर राज्यों में भी करने की योजना है।

डॉ. एसएस सिंह, निदेशक, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान

नया साल नए सपने-2012

साहित्य क्षेत्रे

2011 में मिले सम्मान

श्रीलाल शुक्ल : ज्ञानपीठ पुरस्कार
आबिद सुहैल : मौलाना अबुल कलाम आजाद पुरस्कार
कामतानाथ : स्पन्दन पुरस्कार
अखिलेश : स्पन्दन पत्रकारिता पुरस्कार
नरेश सक्सेना : कविता कोश सम्मान, सरोज स्मृति सम्मान
शिवमूर्ति : मृगेश स्मृति अवध भारती सम्मान, सृजन सम्मान
देवेन्द्र : सावित्री देवी फाउण्डेशन सम्मान
श्रीराम मेहरोत्रा : अस्मिता पुरस्कार
उर्मिल कुमार थपलियाल : केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी अवार्ड-2010
प्रो. श्रुति सडोलीकर काटकर : केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी अवार्ड-2011
सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ : संस्कृत मंत्रालय से सीनियर फेलोशिप अवार्ड
डॉ. अनिल रस्तोगी : प्रेमचन्द सम्मान

2011 में आईं किताबें

मुद्राराक्षस : समाज, संस्कृति और राजनीतिक सत्ता (लेख संग्रह)
मुद्राराक्षस : धर्म और अंधविश्वास (लेख संग्रह)
मुद्राराक्षस : स्त्री, दलित और जातीय दंश (लेख संग्रह)
मुद्राराक्षस : री रीडिंग जीजस
सुशील सिद्धार्थ : नारद की चिंता (व्यंग्य संग्रह)
वन्दना मिश्रा : वे फिर आए हैं (कविता संग्रह)
ब्रजेश : वृन्दा गाथा-एक सदी की (उपन्यास)
दयानंद पाण्डेय : वे जो हारे हुए (उपन्यास)
दयानंद पाण्डेय : हारमोनियम के हजार टुकड़े (उपन्यास)
महेन्द्र भीष्म : किन्नर कथा (उपन्यास)
अमिताभ कुमार : ब्लडी मेरिट स्कालर्स (उपन्यास)
अनिल यादव : नगर वधुएं अखबार नहीं पढ़तीं (कहानी संग्रह)
मालिनी अवस्थी : सोनचिरैया पाती (लेख संग्रह)
डॉ.एससी राय : सर्जन से सृजन तक (आत्मकथा)
श्रीराम मेहरोत्रा : राम कौन? (विवरणात्मक)

साहित्यकार डॉ. 'निशंक' नहीं रहे

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

डॉ लक्ष्मी शंकर मिश्र (फाइल फोटो)

वरिष्ठ साहित्यकार लक्ष्मी शंकर मिश्र 'निशंक' का लंबी बीमारी के बाद शुक्रवार सुबह सात बजे निधन हो गया। वह 93 साल के थे। वह अपने पीछे पत्नी, पांच बेटे व एक बेटी का भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। निशंक जी का अंतिम संस्कार शनिवार को भैंसाकुण्ड घाट पर होगा।

हरदोई जिले के भगवंतनगर गांव में 21 अक्तूबर 1918 को जन्मे लक्ष्मी शंकर मिश्र 'निशंक' ने लखनऊ विवि से 1964 में 'हिन्दी में सवैया साहित्य' विषय पर शोध किया था। उन्होंने साहित्य की सभी विधाओं की डेढ़ दर्जन कृतियां लिखीं। निशंक जी के शिष्य रहे योगीन्द्र द्विवेदी ने बताया कि साहित्यकारों के संस्मरणों पर लिखी उनकी कृति 'संस्मरणों के दीप' काफी चर्चित रही। 'सुकवि विनोद' मासिक पत्रिका का 10 साल सम्पादन किया। उन्हें 1999 में भारत-भारती सम्मान मिला था।

निशंक जी का पार्थिव शरीर शनिवार सुबह दस बजे अलीगंज स्थित निवास से जयनारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय ले जाया जाएगा। निशंक इस महाविद्यालय में 1956 से 1979 तक हिन्दी विभाग के प्रवक्ता रहे। उनके पुत्र मुकुल मिश्रा 'हिन्दुस्तान' इलाहाबाद में समाचार सम्पादक हैं।

हिन्दी संस्थान ने जताया शोक: उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान में साहित्यकार लक्ष्मी शंकर मिश्र के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। अधिकारियों ने कहा कि निशंक ने अपनी कृतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति व राष्ट्रीय चेतना को आगे बढ़ाया है।

दुखद

- डॉ. लक्ष्मी शंकर ने हिन्दी साहित्य को कई चर्चित कृतियां दीं
- 1999 में हिन्दी संस्थान ने भारत-भारती सम्मान से नवाजा था

लोकगीतों से सजी महोत्सव की शाम

लखनऊ | हिन्दुस्तान संवाद

यूपी महोत्सव में भरत नाट्यम प्रस्तुति आकर्षक रही। ● हिन्दुस्तान

यूपी महोत्सव में शुक्रवार की शाम अवधी लोकगीतों के नाम रही। पर्यावरण एवं स्वच्छता पर आधारित कठपुतली शो के अलावा बिरहा व कजरी गीतों ने सांस्कृतिक मंच पर पारम्परिक छटा बिखेर दी।

अलीगंज के सेक्टर-ओ पार्क में आयोजित यूपी महोत्सव में कलाकार रजनीश ने कठपुतली शो के माध्यम से स्वच्छता से स्वस्थ समाज की स्थापना का आदर्श प्रस्तुत किया तो लोक गायक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने अपने गीतों से माहौल में पुरवइया जोश का संचार कर दिया। प्रिया शुक्ला के नृत्य किया वहीं प्रांजल अग्रवाल के महिसासुर मर्दिनी कार्यक्रम ने माहौल धार्मिक बना दिया। रेखा मिश्रा ने 'बन्नी गोरे-गोर हाथ, श्रृंगार गीत न जाने...' मेहंदी गीत सुनाया तो आशा तिवारी व शालू आदि ने लोकनृत्य प्रस्तुति से समां बांध दिया। अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने बताया क कि शनिवार को सांस्कृति मंच पर कवि सम्मेलन व मुशायरा आयोजित किया जाएगा। संचालन अनीता सहगल ने किया।

जयन्ती तीन को

लखनऊ। डॉ. अम्बेडकर जनकल्याण उत्थान समिति सावित्री बाई फुले की 181वीं जयन्ती तीन जनवरी को मनाई जाएगी। महामंत्री नेकराम गौतम ने बताया कि अम्बेडकर पार्क, गढ़ी कनौरा में सुबह 11 बजे से जयंती के अवसर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

याद की गईं रमादेवी लच्छू महाराज

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

शकुन्तला नीरुज केंद्र व लच्छू महाराज बैले सेंटर ने श्रद्धांजलि सभा आयोजित की।

शकुन्तला नीरुज केन्द्र व लच्छू महाराज बैले सेन्टर की ओर से शुक्रवार को नृत्याचार्य रमा देवी लच्छू महाराज की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

प्रेस क्लब में कथक नृत्यांगना कुमकुम आदर्श की अध्यक्षता में आयोजित सभा में शहर के कलाकारों ने गुरु मां के साथ अपनी यादों को साझा किया। लोकगायिका प्रोफेसर कमला श्रीवास्तव ने रमा देवी के व्यक्तित्व-कृतित्व पर प्रकाश डाला। सुनील कुमार ने कहा कि गुरु के काम को आगे बढ़ाने का काम शिष्य ही कर सकते हैं। गुरु के लिए यही सच्ची मायने में श्रद्धांजलि होती है। पं.रविनाथ मिश्र ने भी रमा देवी व लच्छू महाराज के साथ बिताए कुछ लम्हों का साझा किया। कृष्णा सिंह, आमिर हैदर, ज्ञानेंद्र शर्मा, कुमकुम धर समेत काफी लोगों ने रमा देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सभा का संचालन अनीता सहगल ने किया।

बैतुलमाल का अशरा कल

लखनऊ। कर्बला के शहीदों की याद में रविवार को अकीदत के साथ बैतुलमाल का अशरा मनाया जाएगा। इसमें शहर के अलावा कई जिलों से बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहेंगे।

ठाकुरगंज स्थित इमामबाड़ा राजा झाऊलाल में आयोजित अशरे में शहर की करीब 175 अन्जुमन अपने अलम के साथ नौहाख्वानी व सीनाजनी करेगी। इससे पहले इमामबाड़े के सामने स्थित ऐतिहासिक इमली वाली मस्जिद में दोपहर 2 बजे नमाज के बाद 'हुसैन डे' मनाया जाएगा।

इसमें कई शायर कर्बला के शहीदों की शान में अपने कलाम से खिराज ए अकीदत पेश करेंगें। शाम 4 बजे मौलाना सैयद कैसर नवाब जैदी मजलिस को खिताब करेगें। इसके बाद शहर की सभी अन्जुमन अपने अलम के साथ नौहाख्वानी व सीनाजनी करेगीं। हिसं

उत्तर मध्य रेलवे, इलाहाबाद
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण-I/इलाहाबाद
सं. उप मुविइंअभि/नि/इला/टेण्डर-106 दिनांकः 23.12.2011
सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे द्वारा एक 132 के0वी0 3 फेस, डबल सर्किट ट्रान्समीशन लाइन का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जोकि सरसौल रेलवे स्टेशन के निकट 132/25 के0वी0 रेलवे कर्षण उपकेन्द्र सरसौल से निकल कर रेलवे ट्रैक के साइड साइड होते हुए, हाथीगांव, मदैयागांव, लखियापुर गांव, दीपापुर गांव, अजुरिया गांव, बड़गांव, पूरनपुर गांव, दलपतपुर गांव, बसन्तीखेरा गांव, करबिगवां गांव, नगवां गांव, निराइनपुर गांव, करचलपुर गांव, खदरगांव, गंगौली गांव, नरसिंहपुर गांव, मुरादीपुर गांव, दरियापुर गांव के बगल से/से होते हुए रेलवे ट्रैक को ओ0एच0ई0 मास्ट नं. 959/27 पर रेलवे ट्रैक क्रास करके उत्तर की तरफ निकलकर डारिया गांव, मालवा रेलवे स्टेशन, उबरपुर गांव के बगल से/से होते हुए नवनिर्मित 132/25 के0वी0 रेलवे कर्षण उपकेन्द्र मालवा में मिल रही है।
इस ट्रान्समीशन लाइन के निर्माण कार्य में जो फसलों, पेड़ों (वृक्षों) का जो नुकसान हो रहा है उसका मुआवजा किसानों/लैण्ड ओनर को देने का प्रावधान है तथा जमीन का एक्वायर करने का प्रावधान नहीं है। इस ट्रान्समीशन लाइन से विद्युत चालित रेल गाड़ियों का संचालन होना है।
यह ट्रान्समीशन लाइन का निर्माण रेल मंत्रालय (भारत सरकार) नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है। खण्ड
सरसौल ट्रैक्शन सब स्टेशन से मालवा ट्रैक्शन सब स्टेशन।
"ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ" [illegible]

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
तृतीय निर्माण खण्ड (वि./यॉं.), उ.प्र. जल निगम
1/13/131 सिविल लाइन,फैजाबाद फोन:05278-223408, फैक्स: 05278-223430
संशोधित अल्पकालीन विज्ञप्ति
एतद्द्वारा इस कार्यालय के पत्रांक 2131/एम-8/88 दिनांक 19-12-2011 द्वारा 1900 वर्गफुट कारपेट एरिया वाले भवन किराये पर लेने हेतु निविदा आमंत्रित की गयी थी जिसका खुलने का समय कतिपय कारणों से **बढ़ाकर दिनांक 17-01-2012 की जाती है जिसे उसी दिन सायं 4.00 बजे तक** कार्यालय में जमा कर सकते हैं एवं उसी दिन निविदादाताओं/ अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष सायं 3.30 बजे उसे स्वयं अथवा मेरे द्वारा अधिकृत अधिकारी के द्वारा खोली जायेगी। नियम एवं शर्तें पूर्ववत रहेंगी।
भवदीय
(ए.के. सक्सेना)
अधिशासी अभियन्ता

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बस्ती
विज्ञप्ति/कार्यालय आदेश
श्री जवाहर लाल
निलम्बित प्र.अ.
प्रा.वि. मुंडेरवा विकास खण्ड बस्ती सदर
सम्प्रति सम्बद्ध पू.मा.वि. रामपुर विकास खण्ड बहादुरपुर
कृपया इस कार्यालय के पत्रांक 618-24/2011-12 दिनांक 20.04.2011 का सन्दर्भ ग्रहण करें जिसके द्वारा आपको निलम्बित करते हुए आपको पू.मा.वि. रामपुर वि. क्षे. बहादुरपुर से सम्बद्ध किया गया है।
उक्त के सम्बन्ध में आपके विरुद्ध संस्थित जांच कार्यवाही के सम्पादन हेतु अनुमोदित आरोप पत्र खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बस्ती/अध्यक्ष जांच समिति को प्राप्त कराते हुए, उक्त आरोप पत्र आपको प्राप्त कराकर स्पष्टीकरण लेकर जांच करते हुए जांच आख्या उपलब्ध कराने हेतु आदेशित किया गया था किन्तु खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया है कि आपसे दूरभाष पर वार्ता कर आरोप पत्र प्राप्त करने हेतु कहा गया किन्तु आप द्वारा अपना आरोप पत्र प्राप्त नहीं किया गया। जिससे आपके विरुद्ध संस्थित जांच कार्यवाही पूर्ण करने में बाधा उत्पन्न हो गयी है।
अस्तु आपको आदेशित किया जाता है कि आप दिनांक-31.12.2011 तक खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बस्ती में सम्पर्क कर अपना आरोप पत्र प्राप्त करते हुए उक्त के संबंध में तीन दिन के भीतर अपना स्पष्टीकरण जांच अधिकारी को उपलब्ध करायें एवं जांच अधिकारी पर सहयोग करें। यदि आप द्वारा अपना आरोप पत्र निर्धारित तिथि तक प्राप्त नहीं किया जाता है तो मान लिया जायेगा कि आप जांच कार्यवाही में सहयोग नहीं कर रहे हैं। एवं आपको इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है। तद्नुसार उपलब्ध पत्र जातों के आधार पर कार्यवाही कर दी जायेगी। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी आपकी होगी।
(देवी सहाय तिवारी)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
बस्ती
पत्रांक- 9418-20/2011-12 दिनांक 29.12.11

विद्युत सेवा आयोग
उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लि., लखनऊ
विज्ञापन सं.-5-विसेआ/बैकलॉग एवं सामान्य भर्ती/2011-शुद्धि-पत्र
उपरोक्त कार्यालय द्वारा दिनांक 21.12.2011 को प्रकाशित विज्ञापन में आरक्षित बैकलॉग एवं सामान्य भर्ती हेतु आवेदन-पत्र का प्रारूप सुस्पष्ट निम्नवत हैं :-
UTTAR PRADESH POWER CORPORATION LTD.
(An Undertaking of U.P. Government)
Advt. No. 5/VSA/Backlog & Gen. Recruitt/ 2011
APPLICATION FORM
(TO BE FILLED IN BLOCK LETTERS IN ENGLISH)
Photograph Paste 3.5x4.5 cm size, good quality recent/ latest colour photograph, to be self-attested
Post Code (Refer Code List) : ☐☐ Post Name :
Name :
Date of Birth : D D M M Y Y Y Y Gender : Male (M)/Female (F)
Father's Name :
Qualifications Code (Refer Code List) : ☐☐ Qualification :
Month & Year of Passing : M M Y Y Y Y
Marks (Format XX.XX%) : Relevant experience in years for the post applied
Correspondence Address : Permanent Address
Pin Code : Pin Code :
E-mail ID (Optional) (Fill actual letters here) :
Phone No. with STD code :
Category Code (Refer Code List) : ☐☐ Category
Ex-Serviceman (Yes/No) : ☐ If yes, Service Period ☐ years ☐ months ☐ days
Dependent of Freedom Fighter (Yes/No) : ☐ Retrenched from U.P. Govt. organization (Yes/No) ☐
Handicap Category Code (Only for Post Codes 24, 26, 32) (Refer Code List) : ☐☐ If handicapped, Degree of Disability (%) : ☐
Centre Code & Centre Name (Refer Code List) : Choice 1 ☐☐ Choice 2 ☐☐
Apprenticeship (Yes/No) (Performed under 1961 Act. only) : ☐ If yes, Duration (in months) : Name of organization
DD Details : No. Date Amount
Name of Bank Branch
I hereby declare that I have carefully read the conditions of eligibility mentioned in the advertisement. These conditions are acceptable to me and I fulfill these conditions. The details mentioned in the application are true and I shall furnish the necessary certificates in proof of the above at the time of Interview. If any information/details found to be incorrect/false at any stage of the selection my candidature shall automatically stand cancelled. If any fact is found to have been concealed by me or detected even after the appointment, my services may be terminated.
Date : ....
Place : ....
Thumb Impression (Tick : Left/Right)
Signature of Candidate
" [illegible] "